

# ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,  
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

## Book Issue Slip

Member No. : 3013

Mobile Number : 9426593189

Receipt No. : A2393

Member Name : मितेश जसवंतलाल शाह

Total Issued : 4909

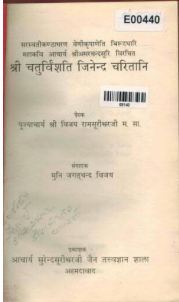
Address : 43, नवकार फ्लेट, बेरेज रोड, वासणा

Issue Date : 05/03/2024

Last Date : 03/06/2024

| Sr No. | Vargank No. | Kruti Name                                                    |
|--------|-------------|---------------------------------------------------------------|
| 1      | AC04482     | चतुर्विंशति जिनेन्द्र चरितानि                                 |
| 2      | AC04795     | आर्षभीयचरितमहाकाव्यम्, विजयोल्लासमहाकाव्यम्, सिद्धसहस्रनामकोश |
| 3      | AC04861     | भरतबाहुबलिमहाकाव्यम् (Bharat Bahubali Mahakavyam)             |
| 4      | AC04850     | पार्श्वनाथचरितम्                                              |
| 5      | AC05512     | पार्श्वनाथ चरित्रम्                                           |
| 6      | AC04274     | समरादित्यकथासंक्षेप                                           |
| 7      | AC04324     | पार्श्वनाथ चरित्रम्                                           |
| 8      | AC05183     | पार्श्वनाथचरितम् (Parshwanath Charita)                        |
| 9      | AC12851     | मल्लिनाथचरित्रम्                                              |

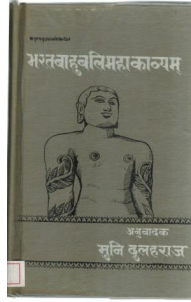
AC04482



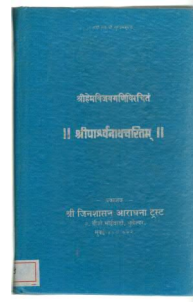
AC04795



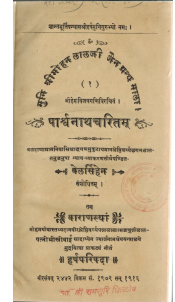
AC04861



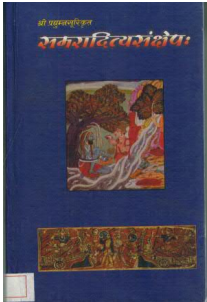
AC04850



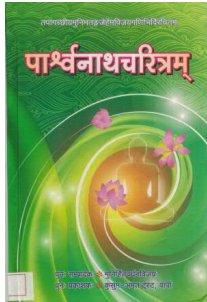
AC05512



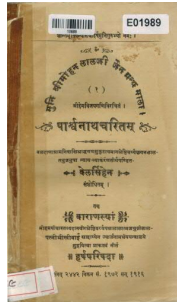
AC04274



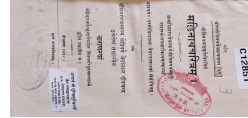
AC04324



AC05183



AC12851



**Notes :** AC04482, AC04795, AC04861, AC04850, AC05512, AC04274, AC04274, AC04274, AC04324, AC05183, AC12851- हेमांगतिलक वि.म.सा.

AC - C Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद

Book Received By

Book Issue By

संस्थाना नियमो :

- 1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
- 2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्नु कराववु अनिवार्य छे.

3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भरवानो रहे शे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किमत करता बधु होई शके छे.